प्रभात

छिपाएंगे नहीं, छापेंगे

facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv

www.subhartimedia.com लखनऊ, मंगलवार, 20 अगस्त 2019, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित

दोबारा कोच चुने गए शास्त्री का फोकस नंबर चार का बल्लेबाज पेज -11

अक्षय ऊर्जा के उपयोग पर व्याख्यान

कार्यक्रम का शुभारंभ करते डॉ.भरत राज सिंह

लखनऊ-प्रभात

इन्स्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, यू0पी0 स्टेट सेन्टर में आज भारत में 2030 तक ऊर्जा स्वतंत्रता के लिये अक्षय ऊर्जा का उपयोग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याखान के मुख्य.वक्ता डा0 भरत राज सिंह महा निदेशक स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट सांइसेज लखनऊ थे। डॉ सिंह ने बताया कि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता, जो सौर ऊर्जा पवन और जैव द्रव्यमान और गैस माध्यम के रूप मे उपलब्ध हैं, के द्वारा 2030 तक भारत को विद्युत ऊर्जा की कमी से मुक्त बना सकते हैं। सन 2020 तक नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने हेतु भारत सरकार ने 175 गीगा वाट अक्षय उर्जा का विद्युत दोहन कर राष्ट्रीय ग्रिड में भेजने की योजना बना रखी है। उस 175 गीगा.वाट में सेए भारत सरकार ने सौर उत्पादन से 100 गीगा.वाटए पवन ऊर्जा से 50 गीगा.वाट और मिनी.हाइड्रो और बायोमासए बायोगैस आदि से 25 गीगा.वाट की योजना बनाई है।

बजट 2019 के दौरान, भारत सरकार ने सौर ऊर्जा के माध्यम से 200 गीगा.वाट का लक्ष्य सन 2030 तक अक्षय ऊर्जा से निर्धारित किया तथा 2030। यह न केवल जलवायु गिरावट के संरक्षण के लिए जोड़ देगाए बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के परिदृश्य को कई गुना बदलाव देगा और भारत को ऊर्जा स्वतंत्रता में भी विकसित कर सकता है जिस विद्युत शक्ति का निर्यात भविष्य में पड़ोसी देशों को का अंतरराष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से कर सकता है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में संस्था के अध्यक्ष आर0 के0 त्रिवेदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के नेशनल कौंसिल सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष वी0बी0 सिंह ने सफ्लता पूर्वक किया। कार्यक्रम का समापन मानद सचिव प्रभात किरण चौरसिया के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।